Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)

Geography (Hons.) B.A. part-1

Paper-1

Topic

~~Atmosphere~~

महासागरीय बेसिन के उच्चावच
(Relief of the Ocean Basin)

Dharmesh nanda
Assit. Professor (Guest)
B.R.A. Bihar University
Muzaffarpur. Bihar

# महासागरीय बेसिन के उच्चावच
# (Relief of the Ocean Basin)

संपूर्ण पृथ्वी के 70.8 % भाग पर महासागरों का विस्तार है। उत्तरी गोलार्द्ध में 60.7 % भाग पर जल का विस्तार है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में 80.9 % भाग पर जल का विस्तार है। महासागरों की औसत गहराई 3800 मीटर है, जबकि स्थल खंड की औसत ऊंचाई 840 मीटर है। स्थलखंड की ऊंचाई एवं महासागरों की गहराई को उच्चतादर्शी वक्र (Hypsographic) द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। यह ऊंचाई एवं गहराई वाले क्षेत्रों को ग्लोब के प्रतिशत के रूप में प्रदर्शित करता है।

1. महाद्वीपीय मग्न तट (Continental Shelf) → यह महाद्वीप का ही अंग है, जिस पर महासागरीय जल का विस्तार पाया जाता है। इसकी औसत गहराई 100 फैदम (200 मीटर) होती है। इसकी औसत ढाल 17 फीट/मील या लगभग 1° होती है। संपूर्ण महासागर के 7.5 % क्षेत्रफल पर इसका विस्तार पाया जाता है। अटलांटिक महासागर के 13.3 %, प्रशांत महासागर के 5.7 % तथा हिंद महासागर के 4.2 % पर महाद्वीपीय मग्न तट का विस्तार है।

जहां तट के किनारे पर्वत पाये जाते हैं, वहां मग्न तट संकरे हैं (जैसे - एण्डीज के तट पर)। इसके विपरीत जहां तटवर्ती क्षेत्र मैदानी है, वहां मग्न तट अधिक चौड़े हैं। भारत के पश्चिमी तट पर महाद्वीपीय मग्न तट पूर्वी तट की अपेक्षा अधिक चौड़ा है।

समुद्र से प्राप्त होने वाले खनिज संसाधन मुख्यतः महाद्वीपीय मग्न से ही प्राप्त होता है। विश्व के कुल खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस उत्पादन का 20 % महाद्वीपीय मग्नतट से ही प्राप्त होता है।

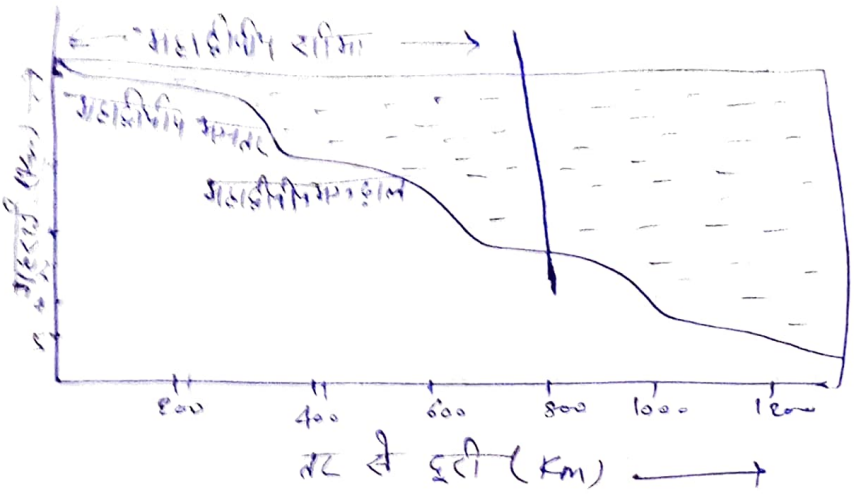


महाद्वीपीय मग्न ढाल (Continental Slope) – महाद्वीपीय मग्नतट से आगे सागर की ओर तीव्र ढाल वाला भाग महाद्वीपीय मग्न ढाल कहलाता है। औसत ढाल 2° - 5°, गहराई 200 - 2000 फैदम (3660 मीटर) है।

महाद्वीपीय मग्नढाल की एक मुख्य विशेषता यह है कि इस पर तीव्र ढाल वाली अंत: सागरीय कंदराएँ (Submarine Canyons) पायी जाती हैं।

महाद्वीपीय मग्नढाल का विस्तार संसृर्ग महासागरों के 8.5% भाग पर पाया जाता है। अटलांटिक महासागर के 12.4%, प्रशांत महासागर के 7% एवं हिंद महासागर के 6.5% भाग पर इनका विस्तार पाया जाता है। महाद्वीपीय मग्नढाल पर विभिन्न अंत: सागरीय कंदराओं की उत्पत्ति के लिए पंक तरंग सिद्धांत (Turbidity Current Theory) का प्रतिपादन किया गया है।

महाद्वीपीय उभार जिसकी औसत ढाल 0.5 - 1° है। इसका सामान्य उच्चावच काफी कम होता है एवं गहराई बढ़ने के साथ-साथ यह समतल होकर महासागरीय मैदान में मिल जाता है। औसत गहराई 2000 - 3000 मीटर होता है।